Publication	**Rajasthan Patrika**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	24/02/2025	**Page no**	4
CCM	16.89		

Primary Agricultural Credit Societies will be connected to national software like banks

कामकाज में होगी आसानी

बैंकों की तरह राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर से जुड़ेंगी प्राथमिक कृषि ऋण समितियां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राज्य की प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के माध्यम से नाबार्ड से जोड़ा जाएगा। इन समितियों के लिए राष्ट्रीय स्तर का सॉफ्टवेयर नाबार्ड की ओर से तैयार किया गया है। राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर से जुड़ने पर 25 से अधिक आर्थिक गतिविधियों के लिए समाधान मिलेगा। जिसमें लघु, मध्यम और दीर्घकालिक लोन के लिए वित्तीय सेवाएं, खरीद प्रक्रिया संचालन, सार्वजनिक वितरण दुकानों का संचालन, व्यवसाय योजना, भंडारण, मानव संसाधन प्रबंधन जैसे विभिन्न मॉड्यूल शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के दौरान राज्य में सहकारी आन्दोलन को मजबूत बनाने पर जोर दिया जा रहा है। 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत 54 पहलों के माध्यम से सहकारी सेक्टर सशक्त बनेगा। जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र का योगदान 40 प्रतिशत बढ़ाने पर जोर है।

गौतम कुमार दक,
सहकारिता राज्य मंत्री

****

Downloaded from
SAMVAD